सितम्बर 2023 वर्ष 2, अंक 8

दयालबाग़ एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट (डीम्ड टु बी यूनिवर्सिटी)

डी.ई.आई.– मासिक समाचार

"शिक्षा हमें वह इंसान बनाती है जो हम हैं। इसका आर्थिक विकास, सामाजिक समानता, लैंगिक (**gender**) समानता पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। हर तरह से, शिक्षा और सुरक्षा से हमारा जीवन बदल जाता है। भले ही इससे सुरक्षा पर जरा सा भी प्रभाव न पड़ा हो, फिर भी मेरी राय में यह दुनिया की सबसे बड़ी प्राथमिकता बनी रहेगी"।

– अमृत्य सेन–
नोबेल पुरस्कार विजेता

खंड

खंड क : डी.ई.आई.....3

खंड ख : डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा.....6

खंड ग : डी.ई.आई. के भूतपूर्व छात्र (AADEIs & AAFDEI)..........9

दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट
(डीम्ड टु बी यूनिवर्सिटी)
दयालबाग़, आगरा– 282005

विषय–सूची

खंड कः डी.ई.आई.

1. दिमाग का पोषण, भविष्य का निर्माणः डी.ई.आई. में शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को सम्मानित किया गया... .. 3
   संकाय समाचार........ 3
2. कला संकाय........ 3
   स्टाफ समाचार........ 4
3. शिक्षा संकाय 4
   स्टाफ समाचार........ 4
4. विज्ञान संकाय 5
   विद्यार्थी उपलब्धियाँ 5
5. विद्यालय समाचार 5
   डी.ई.आई., प्रेम विद्यालय गर्ल्स इंटरमीडिएट स्कूल 5

खंड खः डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा

6. कोऑर्डिनेटर की डेस्क से........ 6
7. भारत के जी डी पी की कहानी........ 6
8. सूचना केन्द्रों से समाचार 7
   कलेक्टर सुकमा ने डी.ई.आई. प्रशिक्षण केन्द्र का दौरा किया........ 7
   भोपाल केन्द्र में शिक्षक दिवस मनाया गया........ 8
   आगरा सिटी सेंटर में स्वतंत्रता दिवस समारोह........ 8

खंड गः डी.ई.आई. के भूतपूर्व छात्र (AA DEIs & AAFDEI)

9. संपादक की डेस्क से........ 9
10. सुपर ह्यूमन के माता–पिता के रूप में हमारी रोमांचक यात्रा........ 9
11. कृतज्ञता (Gratitude) की शक्ति........ 11
12. पूर्व छात्र बाइट्स........ 12
    प्रकाशन समितियाँ / सम्पादकीय बोर्ड 12

खण्ड ‘क’ : डी.ई.आई.

डी.ई.आई. समाचार

दिमाग का पोषण, भविष्य का निर्माण: डी.ई.आई में शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को सम्मानित किया गया

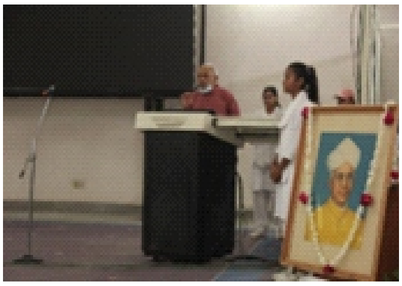

शिक्षक दिवस एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है जिसे दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), दयालबाग, आगरा–5, में मनाया गया, ताकि अज्ञानता को दूर करने और मानव जाति को प्रबुद्ध करने के नेक काम में शिक्षकों की प्रतिबद्धता और योगदान को स्वीकार किया जा सके। 5 सितंबर, 2023, जिसे पूरे देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है, इस कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान की प्रार्थना के साथ हुई, जिसके बाद इस दिन के महत्व पर भाषण दिया गया। महान शिक्षाविद् और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एस. राधाकृष्णन, जिनका जन्मदिन है, की एक संक्षिप्त प्रोफाइल पढ़ी गई। इसके बाद गुरु वंदना, सरस्वती वंदना और शिक्षकों को समर्पित एक कविता प्रस्तुत की गई। संस्थान के कुलसचिव प्रो आनंद मोहन एवं कोषाध्यक्ष श्रीमती स्नेह बिजलानी के द्वारा कुछ सेवानिवृत्त शिक्षकों, जैसे प्रो. शिव कुमार शर्मा, प्रो. वी. स्वामी दास, प्रो. डी. गणेश्वर राव, प्रो. पूर्णिमा जैन, प्रो. डी. वसंता कुमारी और प्रो. अगम कुलश्रेष्ठ को स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। इसके बाद शिक्षकों ने दर्शकों के साथ अपने अनुभव व्यक्त किये। दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, (डी.ई.आई.) के निदेशक प्रो. पी.के. कालरा ने समाज में शिक्षकों की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किये। धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर आनंद मोहन ने दिया। समारोह का समापन संस्थान गीत और उसके बाद राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन सामाजिक विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के छात्रों द्वारा किया गया।

संकाय समाचार

कला संकाय

गृह विज्ञान विभाग, डी.ई.आई. ने 15 जुलाई, 2023 को ***"बी.एस.सी. सस्टेनेबल कम्युनिटी साइंस"*** पर नई स्नातक डिग्री के लिए हाइब्रिड मोड में एक दिवसीय पाठ्यक्रम विकास कार्यशाला का आयोजन किया। सामुदायिक विज्ञान / गृह विज्ञान, खाद्य विज्ञान के क्षेत्रों के विशेषज्ञ और पोषण, कृषि, और मानव विकास / मनोविज्ञान को शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग से आमंत्रित किया गया था। कार्यशाला में डी.ई.आई. के विभिन्न विभागों के 14 वाह्य विशेषज्ञ और कर्मचारी उपस्थित थे, जिनके सुझावों ने पाठ्यक्रम को डिज़ाइन करने में मार्गदर्शन किया। इस पाठ्यक्रम को डी.ई.आई. की अकादमिक परिषद् द्वारा अनुमोदित किया गया है और इसे वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2023–24 से शुरू किया गया है।

स्टाफ समाचारः

- डॉ. निशीथ गौड़, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत विभाग को विलक्षणा एक सार्थक पहल समिति, अजायब, हरियाणा द्वारा 'आचार्य चाणक्य सम्मान 2023' से सम्मानित किया गया। उन्हें गुगन राम एजुकेशनल एंड सोशल वेलफेयर सोसाइटी, बोहल, हरियाणा द्वारा 'राष्ट्रपुत्री सम्मान 2023' से भी सम्मानित किया गया। डॉ. गौड़ ने 26 से 27 अगस्त, 2023 तक जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा ''वैष्णव वेदांत दर्शन'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की और वैष्णव भक्ति धारा विषय पर व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया। बोहल शोध मंजूषा, इंटरनेशनल पीयर रिव्यूड रेफरीड मल्टीडिसीप्लिनरी एण्ड मल्टीपल लैंग्वेज रिसर्च जर्नल, जुलाई 2023 के विशेषांक के लिए अतिथि संपादक बनाया गया।
- प्रो. अगम कुलश्रेष्ठ, (पूर्व विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, डी.ई.आई.) संपादक और डॉ. निशीथ गौड़, सह–संपादक के संयोजन से विविध धर्मों में ध्वनि चेतना शीर्षक से एक पुस्तक शिवालिक प्रकाशन, नई दिल्ली (आई एस बी एन 978–81–96100–55–1) द्वारा प्रकाशित की गई ।

शिक्षा संकाय

प्राथमिक (प्रारंभिक) स्तर पर अंग्रेजी भाषा शिक्षण पर द्विदिवसीय कार्यशाला का आयोजन स्कूल ऑफ एजुकेशन, शिक्षा संकाय, डी.ई.आई., आगरा द्वारा 4 एवं 6 सितंबर, 2023 को किया गया था। कार्यशाला का आयोजन प्राथमिक विद्यालय राजाबरारी, आदिवासी ग्राम, मध्य प्रदेश के अंग्रेजी के शिक्षकों के लिए किया गया था। इसमें डी.ई.आई. के शिक्षा संकाय से डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन (डी.ई.आई.ई.डी.) और बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी.एड.) प्रोग्राम के छात्रों ने भी ऑनलाइन भाग लिया। शिक्षा संकाय की डीन प्रो नंदिता सतसंगी ने पहले सत्र की शुरुआत कुछ मुद्दों और भारत में अंग्रेजी पढ़ाने की वर्तमान स्थिति पर चर्चा के साथ की। उन्होंने दूसरी भाषा के रूप में अंग्रेजी सिखाने के व्यावहारिक सिद्धांतों को समझाया और सभी चार भाषा कौशल विकसित करने के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया। कार्यशाला का अगला सत्र अमेरिकन इंटरनेशनल स्कूल, चेन्नई की सेवानिवृत्त ईएएल (अतिरिक्त भाषा के रूप में अंग्रेजी) शिक्षिका डॉ. सीमा संधीर द्वारा लिया गया। उन्होंने कक्षा अनुप्रयोगों के साथ प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों के बीच भाषा कौशल के विकास को बढ़ावा देने के लिए इंटरैक्टिव और सहभागी भाषा गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करके छात्रों के साथ बातचीत की। उन्होंने 'साइमन सेज' और 'थिंक–पेयर–शेयर' जैसे भाषा–आधारित खेल आयोजित किए, जिन्होंने शिक्षकों को बहुत प्रेरित किया।

कार्यशाला के दूसरे दिन की शुरुआत डॉ. सीमा संधीर के सत्र से हुई। उन्होंने अंग्रेजी भाषा सिखाने के लिए कहानी सुनाना, माइम, रोल प्ले आदि सहित कई रणनीतियों का वर्णन किया। छात्र शिक्षकों को व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान किया गया। अंतिम सत्र में डॉ. पूनम प्रकाश, प्राचार्य, डी.ई.आई., पी.वी. प्राइमरी स्कूल (एक्सटेंशन विंग) और संस्थान के पूर्व छात्र संघ के सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनिंग प्रोग्राम के समन्वयक ने युवा शिक्षार्थियों के लिए कुछ बहुत प्रभावी पढ़ने की युक्तियों और शब्द–पहचान कौशल के आधार पर शिक्षण–अध्यापन की ध्वन्यात्मक पद्धति पर चर्चा की। उन्होंने विभिन्न प्रकार की शिक्षण सहायता और भाषा गतिविधियों की लाइव प्रदर्शन के साथ सहभागिता की। सत्र का समापन प्रो नंदिता सत्संगी के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिन्होंने कार्यशाला का आयोजन किया था, जिसे राजाबरारी हाईस्कूल के प्राचार्य और शिक्षा संकाय, डी.ई.आई. के संकाय सदस्यों द्वारा आयोजित किया गया था।

स्टाफ समाचारः

डॉ. ज्योतिका खरबंदा, सहायक प्राध्यापक,शिक्षा संकाय को 22 अगस्त, 2023 को एम.डी. जैन इंटर कॉलेज, आगरा में राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित मंडल स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी में निर्णायक के रूप में आमंत्रित किया गया था।

विज्ञान संकाय:

प्राणीशास्त्र विभाग ने, भारतीय इम्यूनोलॉजी सोसायटी (आई.आई.एस), नई दिल्ली के सहयोग से, 6 मई, 2023 को संस्थान के सेमिनार हॉल परिसर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ''इम्यूनोलॉजी टॉक्स टू पब्लिक हैल्थ'' थीम के साथ ''अंतर्राष्ट्रीय इम्यूनोलॉजी दिवस'' मनाने के लिए एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। सेमिनार में आमंत्रित वक्ताओं में डॉ. कौस्तव नायक, इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी (आई.जी.सी.ई.बी.), नई दिल्ली, डॉ. मधु छंदा मोहंती, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, मुंबई इकाई और डॉ. अमला चोपड़ा, दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) दयालबाग़ आगरा–5, की प्रतिभागिता रही। 200 से अधिक पंजीकृत प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों के साथ इम्यूनोलॉजी इनफॉरमेशन पर स्वस्थ बातचीत के साथ ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरीकों से इस सेमिनार में भाग लिया। सेमिनार अत्यधिक जानकारीपूर्ण था और सभी ने इसकी सराहना की।

विद्यार्थी उपलब्धियाँ:

सुश्री माधुरी, शोधार्थी, प्राणीशास्त्र विभाग, विज्ञान संकाय, डी.ई.आई को एनवायरमेंट एग्रीकल्चर ह्यूमन एंड एनिमल हैल्थ (ICEAHAH-2023) नामक दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उनके शोध पत्र''एफीकेसी ऑफ जिन्जिबर ऑफिसिनेल नैनोइमल्शन अगेंस्ट ह्यूमन एक्टोपैरासाइट'' के लिए 'सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। यह सम्मेलन संयुक्त रूप से वॉय्स ऑफ इंडियन कंसर्न फॉर द इन्वायरमेंट (VOICE: ए नॉन प्रॉफिट ऑर्गेनाइजेशन) इंडिया, वनस्पति विज्ञान एवं जंतु विज्ञान विभाग,राजाराम कॉलेज कोल्हापुर महाराष्ट्र, ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ ट्रेनिंग एंड एजुकेशन (AIITE) न्यू दिल्ली एवं सोमनोगन कनाडा Inc. (ए केनेडियन फार्मास्यूटिकल कॉरपोरेशन) टोरंटो, कनाडा द्वारा संयुक्त रूप से हाइब्रिड मोड पर आयोजित किया गया था ।

विद्यालय समाचार:

डी.ई.आई., प्रेम विद्यालय गर्ल्स इंटरमीडिएट स्कूल:

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा 14 सितंबर, 2023 को के एम मुंशी हिंदी एवं भाषाविज्ञान संस्थान, डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा में आयोजित जिला स्तरीय संस्कृत प्रतिभा खोज कार्यक्रम में डी.ई.आई. प्रेम विद्यालय की छात्राओं ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। इस कार्यक्रम में, विभिन्न स्कूलों के 68 छात्र/छात्राओं ने गायन, वाचन एवं संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में अपनी क्षमताओं को दिखाने के लिए भाग लिया। डी.ई.आई. प्रेम विद्यालय की छात्राओं ने विभिन्न वर्गों में कई पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया।
इस प्रतिभा खोज कार्यक्रम के विजेताओं की सूची निम्नांकित है:

- **संस्कृत गीत प्रतियोगिता:**
  1. दृष्टि सिंह कक्षा 6 – प्रथम
  2. बिनती सतसंगी कक्षा सातवीं –द्वितीय
  3. मुक्ति कुमारी कक्षा सातवीं – तृतीय
- **संस्कृत भाषण प्रतियोगिता:**
  1. मुक्ति कुमारी कक्षा सातवीं – द्वितीय
- **संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता:**
  1. सोनी कुमारी कक्षा बारहवीं –द्वितीय
  2. दृष्टि सिंह कक्षा 6 – द्वितीय

खण्ड 'ख' : डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा

कोऑर्डिनेटर की डेस्क से

आई एम एफ (अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष) के अनुसार नाममात्र (nominal) जी डी पी (सकल घरेलू उत्पाद) पर प्राप्त डेटा (आंकड़े) यह दर्शाते हैं कि वर्तमान में भारत दुनिया में तेज विकास दर वाली पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इस पृष्ठभूमि में, 18 अगस्त, 2023 के दी टाइम्स ऑफ इंडिया ने अखबार के संपादकीय पृष्ठ में भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर श्री दुव्वुरी सुब्बाराव द्वारा लिखा हुआ एक दिलचस्प लेख प्रकाशित किया, जिसमें निम्नलिखित सवाल का जवाब खोजने की कोशिश की गई 'तो, हम 2047 में कहां होंगे?' इस लेख में, वे 'विकसित देश' का दर्जा पाने की कठिन यात्रा की बात करते हैं जिसमें एक बड़ा एजेंडा शामिल है, और फिर कहते हैं: 'लेकिन 1,000 मील की यात्रा उच्च शिक्षा की गुणवत्ता (quality) में सुधार के साथ शुरू होनी चाहिए। 'मात्रा (quantity) के बजाय गुणवत्ता' पर अधिक जोर देने की जरूरत है। किसी देश को विकसित देश बनाने के लिए उच्च आय या आर्थिक समृद्धि पर्याप्त नहीं है – लेखक पूर्व–आवश्यकताओं (pre-requisites) के रूप में स्वास्थ्य और शिक्षा में तीव्र असमानताओं को पाटने की आवश्यकता का आह्वान करते हैं। इस संदर्भ में, नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. अमृत्य सेन का विचार कि 'दुनिया में वस्तुतः सभी समस्याएं किसी न किसी प्रकार की असमानता से आती हैं' अत्यधिक प्रासंगिक है। भारत के लिए यू.एन.डी.पी. मानव विकास सूचकांक (Human Development Index) 189 देशों में से 130 है और इसे शिक्षा और स्वास्थ्य में सुधार के माध्यम से उन्नत करने की आवश्यकता है।

लेखक फ्रांसिस फुकुयामा का भी उल्लेख करते हैं जिन्होंने कहा था कि विकसित देशों को तीन विशेषताएं चिन्हित करती हैं – कानून का शासन, एक मजबूत राज्य और जवाबदेह शासन।

जैसा कि लेखक ने कहा है, एक विकसित देश का एजेंडा आवश्यक रूप से बहुत बड़ा है लेकिन उच्च शिक्षा इसकी कुंजी है।

(प्रो. वी.बी. गुप्ता)

भारत के जी डी पी की कहानी

जी डी पी (Gross Domestic Product – सकल घरेलू उत्पाद) एक वर्ष में किसी देश के भीतर उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का बाजार मूल्य है। जब इसे किसी 'आधार वर्ष' की कीमतों में व्यक्त किया जाता है, तो यह वास्तविक (real) जी डी पी है और जब इसका उत्पादन उसी वर्ष की कीमतों में व्यक्त किया जाता है, तो यह नाममात्र (nominal) जी डी पी है।

शुरुआत से शुरू करने के लिए, हम वर्ष 1 ईस्वी (1 AD – एन्नो डोमिनी) से शुरू करेंगे। 6 अगस्त, 2023 के संडे टाइम्स ऑफ इंडिया में इस विषय पर उपयोगी जानकारी छपी है जिसमें श्री स्वामीनाथन एस. अंकलेसरिया अय्यर ने 'भारत का स्वर्णिम काल अभी है, किसी सुदूर अतीत में नहीं' शीर्षक का एक लेख लिखा है। इस लेख में, लेखक ने प्रख्यात इतिहासकार एंगस मैडिसन की महान रचना 'विश्व अर्थव्यवस्था की रूपरेखा 1–2030 ईस्वी: व्यापक आर्थिक इतिहास पर निबंध' का उल्लेख किया है, जिसमें से कुछ डेटा (आंकड़े) नीचे प्रस्तुत किये जा रहे हैं:

- वर्ष 1 ईस्वी में, विश्व की 33.2% जनसंख्या के साथ भारत का विश्व के सकल घरेलू उत्पाद में 32% योगदान था। इस प्रकार भारतीय सकल घरेलू उत्पाद विश्व औसत से थोड़ा नीचे था।
- 1 ईस्वी से 1000 ईस्वी तक भारत का जी डी पी $33.75 बिलियन डॉलर पर स्थिर रहा। चूँकि जनसंख्या लगभग 75 मिलियन (सूखे, बीमारी और युद्धों के कारण) पर स्थिर रही, प्रति व्यक्ति आय भी $450 पर स्थिर रही। इस प्रकार 1 से 1000 ई. तक का समय गरीबी और आर्थिक प्रवाहहीनता (stagnation) का था।
- वर्ष 1000 ईस्वी और 1700 ईस्वी के बीच, भारत का वार्षिक जी डी पी लगभग तीन गुना बढ़कर 90.7 बिलियन डॉलर हो गया। मृत्यु दर में काफी गिरावट आई जिससे जनसंख्या 75 मिलियन से बढ़कर 165 मिलियन हो गई। इस तरह प्रति व्यक्ति आय $450 से बढ़कर $550 हो गई।
- 1700 से 1950 के बीच भारत का जी डी पी बढ़कर $222.22 बिलियन डॉलर और जनसंख्या 350 मिलियन हो गए। प्रति व्यक्ति आय मामूली रूप से बढ़कर $619 हो गई। हालाँकि औद्योगिक क्रांति के बाद पश्चिम में आय बढ़ गई और विश्व सकल घरेलू उत्पाद में भारत की हिस्सेदारी घट गई।
- स्वतंत्र होने के बाद अंततः भारत में आर्थिक विकास ने गति पकड़ी। लगभग 2000 वर्षों की नगण्य वृद्धि के बाद, 2003 तक प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 2140 डॉलर हो गई, जब जनसंख्या 1.05 अरब (billion) थी। लेखक ने इसे स्वर्ण युग कहा है।

उल्लेखनीय है कि श्री सुब्बाराव ने (18 अगस्त, 2023 के दी टाइम्स ऑफ इंडिया में) बताया था कि 2641 डॉलर की प्रति व्यक्ति आय के साथ, भारत देशों की सूची में 139वें स्थान पर है। एक विकसित देश की उच्च आय स्थिति प्राप्त करने के लिए, (आईएमएफ वर्गीकरण के अनुसार प्रति व्यक्ति आय $21,664 से अधिक) हमारी प्रति व्यक्ति आय को आठ गुना से अधिक बढ़ाना होगा, और जैसा कि श्री सुब्बाराव ने पहले ही कहा था, 1000 मील की यात्रा की शुरुआत देश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार से करनी होगी।

— **प्रोफेसर वी.बी. गुप्ता, समन्वयक, डी.ई.आई.-डी.ई.पी. द्वारा एकत्रित और संकलित**

सूचना केन्द्रों से समाचार

कलेक्टर सुकमा ने डी.ई.आई. प्रशिक्षण केन्द्र का दौरा किया

श्री एस हरीस (आई ए एस), कलेक्टर सुकमा ने 3 सितंबर, 2023 को कमांडिंग ऑफिसर, दूसरी बटालियन, श्री रति कांत बेहरा के साथ, छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के गादीरास में डी.ई.आई. ट्रेनिंग केंद्र का दौरा किया। उन्होंने छात्रों से बातचीत की और उन्हें सिलाई मशीनें उपलब्ध कराने का वादा किया। श्री हरीस ने पाठ्यक्रम पूरा होने के बाद ड्रेस तैयार करने के लिए अनुबंध (contract) की व्यवस्था करके छात्रों को रोजगार के अवसरों का आश्वासन दिया।

भोपाल केन्द्र में शिक्षक दिवस मनाया गया

भोपाल केंद्र के संकाय सदस्यों, छात्रों और स्वयंसेवकों के सहायक समूह ने 5 सितंबर, 2023 को अत्यधिक उत्साह के साथ शिक्षक दिवस मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और सर्वशक्तिमान परम पिता के कमल चरणों में प्रार्थना करने के साथ हुई। इसके बाद यूनिवर्सिटी गीत प्रस्तुत किया गया। केंद्र प्रभारी श्रीमती कोमल कपूर ने भाषण देते हुए केंद्र के प्रत्येक संकाय और समर्थकों द्वारा उन्हें आवंटित कार्यों को पूरा करने के लिए किए गए सभी प्रयासों का विवरण दिया। आमंत्रित अतिथियों में से एक डॉ. दयाल प्यारी सिंह ने शिक्षक दिवस मनाने के महत्व पर भाषण दिया। इस अवसर पर कुछ विद्यार्थियों ने कविता पाठ भी किया। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

आगरा सिटी सेंटर में स्वतंत्रता दिवस समारोह

आगरा सिटी सेंटर में छात्रों एवं शिक्षकों द्वारा पूरे उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डीम्ड विश्वविद्यालय), दयालबाग़, आगरा–5 से ऑनलाइन जुड़ने और उनके मुख्य मुख्यालय में आयोजित ध्वजारोहण समारोह को देखने से हुई। लाइव प्रसारण की समाप्ति के बाद, केंद्र में एक लघु कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय प्रार्थना, हिंदी और अंग्रेजी में भाषण और देशभक्ति गीत शामिल थे। कार्यक्रम का समापन उपस्थित जनसमूह को मिठाई वितरण के साथ हुआ।

खण्ड 'ग' : डी.ई.आई के पूर्व छात्र (AADEIs & AAFDEI)

संपादक की डेस्क से

अपनी नीली वर्दी और लहराती लाल टोपी, छाती पर 'एस' के निशान के साथ, सुपरमैन डी सी सुपर हीरो के सबसे पसंदीदा में से एक है। 'द मैन ऑफ स्टील', वह क्रूरता और अन्याय के खिलाफ कभी न खत्म होने वाली लड़ाई लड़ता है। एक एलियन (alien), वह महाशक्तियों के साथ पैदा हुआ है। इसके विपरीत सुपरमैन नीत्शे (Nietzsche) का 'उबरमेंश' ('Ubermensch') है। दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ, यह असाधारण व्यक्ति या 'ओवरमैन', उच्चतम क्षमता तक पहुंचने के लिए अपने स्वयं के मूल्यों को निर्धारित करता है। लेकिन वह जिन मूल्यों का पालन करते हैं वे आत्म–बोध और आत्म–मुक्ति हैं।

जैसा कि दयालबाग़ में संत सुपरमैन इवोल्यूशनरी योजना अपने सातवें वर्ष में प्रवेश कर रही है, कोई भी उस दिव्य और दयालु आदेश पर आश्चर्यचकित हो सकता है जिसके द्वारा सतसंग अपने स्वयं के 'अनूठे' सुपरह्यूमन का पोषण कर रहा है। इस दुनिया की उथल–पुथल और परेशानियों में रहते हुए, ये सुपरमैन धीरे–धीरे बढ़ेंगे और विकसित होंगे, दिन–रात आध्यात्मिकता की आभा में नहाएंगे, परमपिता के करीब होंगे, उनमें सभी अच्छाईयां आत्म–विकास और आत्म–बोध की ओर ही नहीं, लेकिन इस दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने में मदद करने की दिशा में निर्देशित होंगी। विनम्रता, शांति, प्रेम, निस्वार्थ सेवा और बलिदान का संदेश उपदेश द्वारा नहीं बल्कि उदाहरण के द्वारा फैलाते हुए, वे अभी भी एक नई विश्व व्यवस्था की शुरुआत कर सकते हैं, जिसकी हमें कठिनाई और दुख के इस युग में सख्त जरूरत है।

अपनी टिप्पणियाँ और योगदान aadeisnewsletter@gmail.com पर साझा करें। आपकी प्रतिक्रिया की अत्यधिक सराहना की जाएगी!

सुपर ह्यूमन के माता–पिता के रूप में हमारी रोमांचक यात्रा

सुरुचि सत्संगी
बैच: एम.फिल भौतिकी 2008, पी जी डी टी 2011;
वर्तमान में, मानद (Honorary) शिक्षक, स्वामी नगर मॉडल स्कूल

मानवेन्द्र उत्तालिया
बैच: एम.फिल भौतिकी 2012;
वर्तमान में, सीनियर मैनेजर, एस टी माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड।

मुझे बताओ और मैं भूल जाता हूँ, मुझे सिखाओ और मैं याद रख सकता हूँ, मुझे शामिल करो और मैं सीख जाता हूँ।
— बेंजामिन फ्रैंकलिन

एक युवा जोड़े के रूप में, हम अपने बच्चों को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों से भरपूर एक सार्थक परवरिश देने को लेकर बहुत चिंतित थे। यह हम जानते थे कि शहरी परिवेश में यह विशेष रूप से कठिन होगा। बसंत–2017 परम दयालु परम पिता के विशेष आशीर्वाद के साथ संत सुपरमैन इवोल्यूशनरी स्कीम के रूप में आया, जिसे सभी के लिए खुला घोषित किया गया था। हम इस योजना की कुछ विशेषताओं का वर्णन करना चाहेंगे, जिन्होंने हमारे और हमारे बच्चों पर एक अमिट छाप छोड़ी है, जिससे हमारे जीवन में अनगिनत तरीकों से बेहतर बदलाव आया है:

1. प्रौद्योगिकी के अधिक संपर्क और मनुष्यों के कम संपर्क के कारण शहरी क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों में सामाजिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है। वहाँ सुपरमैन सतसंग इको–सिस्टम का हिस्सा बनकर, जहाँ मूल्य बहुत मजबूती से स्थापित हैं, दूसरों को सम्मान देना सीखते हैं। इसके साथ ही, दैनिक आधार पर विभिन्न गतिविधियों में शामिल होने से जिम्मेदार प्रौद्योगिकी उपयोग को विनियमित और बढ़ावा मिला है।
2. इन दिनों माता–पिता के लिए चिंता और हताशा का एक बड़ा कारण अचानक मूड और व्यवहार में बदलाव है, जिससे बच्चों में खुद को नुकसान पहुंचाना, अस्पष्टीकृत शारीरिक परिवर्तन, जैसे वजन कम होना या बढ़ना शामिल है। इस योजना के तहत, हमें नियमित रूप से अनुभवी बाल रोग विशेषज्ञों और बाल मनोवैज्ञानिकों से उपयोगी सुझाव मिलते हैं कि बच्चे को खराब मीडिया और पर्यावरण की बुराइयों से कैसे दूर रखा जाए। नियमित निगरानी से बच्चों के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य में सकारात्मक परिणाम आए हैं।

3. निगरानी और मार्गदर्शन, के अंतर्गत की गई पी टी और आत्मरक्षा अभ्यास, सही पोषण और समग्र स्वच्छता शारीरिक सुदृढ़ीकरण योजना के आवश्यक घटक है।
4. यह योजना अपने हाथ से काम करने में ही गौरव की प्राप्ति है। सिखाने का एक प्रभावी तरीका प्रदान करती है। इसके लिये बच्चों को निःस्वार्थ सेवा में शामिल करके श्रम करना, सतसंग क्षेत्र, सतसंग हॉल और उसके आसपास की गतिविधियाँ परिवेश में भाग लेना, इत्यादि मदद करते है।
5. हम खोजपूर्ण क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास देख रहे हैं – भाषाओं सहित नई चीजें सीखने का दृष्टिकोण, संस्कृतियाँ आदि। संस्कृत और भारतीय संस्कृति का परिचय हमारी बेटियों में हमारी संस्कृति के प्रति सम्मान पैदा किया है।
6. हम पूर्ण मानव के विकास के साक्षी हैं, हमारे श्रद्धेय नेताओं द्वारा वर्णित सुपर आध्यात्मिक जिनके पास चारों वर्णों के गुण हैं –ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र।

इन सभी गतिविधियों को हर दिन दो बार मनाया जाता है, साथ ही दुनिया भर के सभी सुपरमैन के साथ हमारे प्रिय मास्टर की अनुग्रहपूर्ण उपस्थिति में, वर्चुअल पुण्य मोड में जुड़े हुए हैं। यह दृश्य इतना आनंददायक है कि हम युवा माता–पिता के रूप में अपनी सभी आशंकाओं को भूल जाते हैं। अपने बच्चों को आसानी से और खुशी से मूल्यों को आत्मसात करते हुए देखना वास्तव में एक आशीर्वाद है।

हम सतसंग वातावरण के दायरे में इस अद्भुत रूपरेखा को प्रदान करने के लिए अपना सच्चा शुक्राना अर्पित करने के लिए आपके चरण कमलों में प्रणाम करते हैं।

कृतज्ञता (Gratitude) की शक्ति

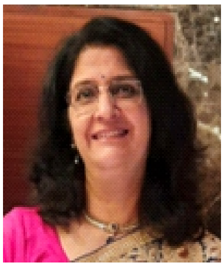

प्रिया सिंह

बैचः एम बी एम (1993), धर्मशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (2012); वर्तमान में, केंद्र प्रभारी, डी.ई.आई. चेन्नई सूचना केंद्र

जीवन की यात्रा पार करने के लिए,
केवल एक ही शक्तिशाली दृष्टिकोण है,
जो सभी चुनौतियों और संघर्षों पर काबू पाने में मदद करता है,
यह कृतज्ञता का भाव है।

कृतज्ञता हमें विनम्र बने रहने में सक्षम बनाती है,
ठोकर खाने के बाद भी हम मजबूती से खड़े रहते हैं,
हर परिस्थिति में हम जमीन से जुड़े रहते हैं,
यह हमें ऊंची उड़ान भरने या भटकने से बचाता है।

हम एक उच्च शक्ति की उपस्थिति को स्वीकार करते हैं,
जो हर मोड़ पर हमारी रक्षा और मार्गदर्शन करती है,
हम छोटी से छोटी चीज की भी सराहना करते हैं,
इससे आंतरिक शांति और आनंद की अनुभूति होती है।

जब हम बहुत कठिन समय का सामना करते हैं,
और सांत्वना और राहत का कोई संकेत नहीं है,
कृतज्ञता हमारे अंदर विश्वास और आशा जगाती है,
जो हमें मुकाबला करने की अपार शक्ति देती है।

कठिन परिस्थिति से उभरने के बाद,
हमें एहसास हुआ, हमारी तरफ सुरक्षा का हाथ था,
जिसने हमें तूफान से मजबूती से खींच लिया,
हमें ठीक आकार में वापस आने का साहस दे रहा है।'

जीवन में हमें हमेशा वह नहीं मिलता जो हम चाहते हैं,
इससे हमें निराश या थका हुआ नहीं होना चाहिए।
हमें संकेत के लिए धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करने की आवश्यकता है,
'क्योंकि हर चीज सही समय पर ही आती है।

इसलिए आपके रास्ते में आने वाली हर चीज के लिए आभारी रहें,
यहां तक कि रात का अंधेरा भी दिन की रोशनी के साथ चला जाता है,
कुछ भी स्थायी नहीं है, इसलिए बस प्रवाह के साथ चलते रहें,
कृतज्ञता के साथ आप अंततः बढ़ते और विकसित होंगे।

पूर्व छात्रों की बाइट्स...
''दयालबाग़ में शिक्षा का सबसे बड़ा लाभ है...''

.....दयालबाग़ शैक्षणिक संस्थान में प्रदान किए जाने वाले मूल्य और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विशेष रूप से, सादा जीवन और उच्च विचार, श्रम की गरिमा के साथ दृढ़ता जो स्वयं के 360–डिग्री विकास में मदद करती है।

निश्चित रूप से डी. ई. आई. में शिक्षा व्यक्ति को अशांत जल में तैरने के लिए आवश्यक कौशल से सुसज्जित करती है।

भक्ति श्रीवास्तव, बैचः बी.कॉम (ऑनर्स) 2019, इंटीग्रेटेड एम बी ए 2021; वर्तमान में क्रेडिट मैनेजर, थोक बिक्री क्रेडिट (**Working Capital**) **HDFC Bank** के रूप में कार्यरत हैं।

प्रकाशन समितियाँ / सम्पादकीय बोर्ड

डी.ई.आई

संरक्षक
प्रो. पी. के. कालरा/प्रो. सी. पटवर्धन
मुख्य संपादक
प्रो. जे.के. वर्मा

संपादक
डॉ. सोना दीक्षित
डॉ. सोनल सिंह
डॉ. अक्षय कुमार सत्संगी
डॉ. बानी दयाल धीर

सदस्यों
डॉ. चारु स्वामी
डॉ. नेहा जैन
डॉ. सौम्या सिन्हा
श्री आर.आर. सिंह
प्रो. प्रवीण सक्सेना
प्रो. वी. स्वामी दास
डॉ. रोहित राजवंशी
डॉ. भावना जौहरी

सलाहकार
प्रो. एस.के. चौहान
अनुवादक
डॉ. नमस्या

डी.ई.आई.–ओ.डी.ई. (डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा)

संरक्षक
प्रो. पी. के. कालरा/प्रो. सी. पटवर्धन
प्रो. वी.बी. गुप्ता

संपादकीय सलाहकार
प्रो. एस.के. चौहान
प्रो. जे.के. वर्मा

संपादकीय मंडल
डॉ. सोनल सिंह
डॉ. मीना पायदा
डॉ. लॉलीन मल्होत्रा
डॉ. बानी दयाल धीर
श्री राकेश मेहता

अनुवादक
डॉ. स्वामी प्यारी कौड़ा

डी.ई.आई. **Alumni (AADEIs & AAFDEI)**

संपादक
प्रो. गुर प्यारी जंडियाल

संपादकीय समिति
डॉ. सरन कुमार सतसंगी,
प्रो. साहब दास
डॉ. बानी दयाल धीर
श्रीमती शिफ़ाली सत्संगी
श्रीमती अरुणा शर्मा
डॉ. स्वामी प्यारी कौड़ा
डॉ. गुरप्यारी भटनागर
डॉ. वसंत वुप्पुलुरी

अनुवादक
डॉ. स्वामी प्यारी कौड़ा
डॉ. नमस्या

प्रशासनिक कार्यालयः
पहली मंजिल, 63, नेहरू नगर, आगरा –282002

पंजीकृत कार्यालयः
108, साउथ एक्स प्लाजा –1, साउथ एक्सटेंशन पार्ट II, नई दिल्ली–110049

चित्रण, मुद्रण एवं ई–प्रकाशनः दयालबाग़ प्रेस